CURRENT AFFAIRS

Result Mitra

NEWS FOR

UPSC

UPSC, IAS/PCS

State Exam

All Exam

01 Feb. 2025

ABHAY Sir

❖ Topic 1:– आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25

❖ Topic 2:– खाद्य सब्सिडी में वृद्धि (2019-2023) – आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25

❖ Topic 3:– आर्थिक सर्वेक्षण 2025: कृषि क्षेत्र में रोजगार बढ़ा, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में घटा

❖ Topic 4:- अंतर्राष्ट्रीय जेब्रा दिवस

❖ Topic 5:- विश्व आर्थिक मंच (WEF) की "चौथी औद्योगिक क्रांति नेटवर्क 2023-2024 प्रभाव रिपोर्ट"

आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25

❖ आर्थिक वृद्धि और जीडीपी

- ❖ भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि वित्त वर्ष 2025 में 6.4% रहने का अनुमान।
- ❖ सकल मूल्य वर्धन (GVA) की वृद्धि दर वित्त वर्ष 2025 में 6.4% रहने की संभावना।
- ❖ वित्त वर्ष 2026 में जीडीपी वृद्धि 6.3% से 6.8% के बीच रहने की उम्मीद।

❖ वैश्विक अर्थव्यवस्था

- ❖ वैश्विक अर्थव्यवस्था 2023 में 3.3% की दर से बढ़ी।
- ❖ **आईएमएफ का अनुमान:** अगले 5 वर्षों में वैश्विक वृद्धि दर 3.2% रहेगी।

अर्थव्यवस्था

आर्थिक सर्वेक्षण 2025: ये हैं मुख्य बातें

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने आज संसद में आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 पेश किया

Source :– Down To Earth

❖ मुद्रास्फीति और बैंकिग

- ❖ भारत में खुदरा मुद्रास्फीति वित्त वर्ष 2024 के 5.4% से घटकर अप्रैल-दिसंबर 2024 में 4.9% रही।
- ❖ आरबीआई और आईएमएफ का अनुमान: वित्त वर्ष 2026 में 4% मुद्रास्फीति लक्ष्य के अनुरूप रहेगी।
- ❖ बैंक ऋण में स्थिर वृद्धि, जो जमा राशि के लगभग बराबर।

❖ निवेश और पूंजीगत व्यय

- ❖ वित्त वर्ष 2021 से 2024 तक पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में निरंतर वृद्धि।
- ❖ आम चुनावों के बाद, जुलाई-नवंबर 2024 के दौरान कैपेक्स में 8.2% (वर्ष-दर-वर्ष) वृद्धि।

❖ बीमा और बाहरी ऋण

❖ भारत के बीमा बाजार में वृद्धि जारी, वित्त वर्ष 2024 में कुल बीमा प्रीमियम 7.7% बढ़कर 11.2 लाख करोड़ तक पहुंचा।
❖ सितंबर 2024 के अंत में भारत का बाहरी ऋण और जीडीपी अनुपात 19.4%।

❖ नवीकरणीय ऊर्जा

❖ दिसंबर 2024 तक सौर और पवन ऊर्जा की क्षमता में 15.8% की वृद्धि।
❖ कुल स्थापित ऊर्जा क्षमता में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी 47%।
❖ 18,374 गांवों और 2.9 करोड़ घरों को बिजली की सुविधा मिली।

❖ **जल एवं स्वच्छता**

❖ 12 करोड़ परिवारों को जल जीवन मिशन के तहत नल से जल आपूर्ति मिली।

❖ **स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण (चरण-2):** अप्रैल-नवंबर 2024 के दौरान 1.92 लाख गांव ODF+ घोषित।

❖ ODF+ गांवों की कुल संख्या 3.64 लाख।

❖ **आवास एवं शहरी विकास**

❖ शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 89 लाख आवासों का निर्माण।

❖ **कृषि और जलवायु परिवर्तन**

❖ जलवायु-सहनीय फसल किस्मों और कृषि सुधारों की जरूरत।

❖ चरम जलवायु घटनाओं के प्रभाव कम करने के लिए टिकाऊ कृषि आवश्यक।

❖ **कृषि और खाद्य प्रबंधन**

❖ वित्त वर्ष 2024 में कृषि क्षेत्र का सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में 16% योगदान।

❖ बागवानी, मवेशी और मत्स्य पालन कृषि विकास के प्रमुख क्षेत्र।

❖ वर्ष 2024 में खरीफ खाद्यान्न उत्पादन 1647.05 लाख मीट्रिक टन (LMT) होने की उम्मीद, जो पिछले वर्ष से 89.37 LMT अधिक।

❖ **2011-12 से 2021-22 के दौरान:**

❖ मत्सय पालन क्षेत्र की CAGR (चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) 8.7%।

❖ पशुधन क्षेत्र की CAGR 5.8%।

- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) 2013 और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY) खाद्य सुरक्षा में परिवर्तनकारी पहल।

- अगले 5 वर्षों तक PMGKAY के तहत मुफ्त खाद्यान्न वितरण सरकार की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता।

- 31 अक्टूबर 2024 तक:

- पीएम किसान योजना के तहत 11 करोड़ से अधिक किसानों को लाभ।

- पीएम किसान मानधन योजना में 23.61 लाख किसान नामांकित।

❖ जलवायु और पर्यावरण

❖ भारत का 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य समावेशी और सतत विकास पर आधारित।

❖ गैर-जीवाश्म ईंधन से 2,13,701 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता स्थापित (30 नवंबर 2024 तक), जो 2030 तक 50% लक्ष्य के मुकाबले 46.8%।

❖ 2005-2023 के बीच 2.29 बिलियन टन CO_2 समतुल्य अतिरिक्त कार्बन सिंक का निर्माण।

❖ भारत के नेतृत्व में "लाइफस्टाइल फॉर एनवायरमेंट (LiFE)" अभियान स्थिरता को बढ़ावा देने हेतु।

❖ वर्ष 2030 तक LiFE के प्रयासों से वैश्विक उपभोक्ताओं के 440 बिलियन अमेरिकी डॉलर की बचत का अनुमान।

Source:– PIB

❖ सामाजिक क्षेत्र

❖ सरकार का सामाजिक सेवा व्यय वित्त वर्ष 2021 से वित्त वर्ष 2025 तक 15% की CAGR से वृद्धि।

❖ स्वास्थ्य

❖ वित्त वर्ष 2015 से 2022 के बीच सरकारी स्वास्थ्य व्यय का हिस्सा 29% से बढ़कर 48%।

❖ इसी अवधि में आउट-ऑफ-पॉकेट खर्च 62.6% से घटकर 39.4%।

❖ आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (ABPM-JAY) से 1.25 लाख करोड़ रुपये की बचत, जिससे परिवारों का खर्च कम हुआ।

❖ रोजगार और कौशल विकास

❖ **बेरोजगारी में गिरावट:** 2017-18 (जुलाई-जून) में 6.0% की तुलना में 2023-24 में बेरोजगारी दर घटकर 3.2% हो गई।

❖ **युवा जनसंख्या:** 10-24 वर्ष के आयु वर्ग में लगभग 26% जनसंख्या के साथ, भारत विश्व के सबसे युवा देशों में शामिल है, जिससे जनसांख्यिकीय लाभ उठाने का अवसर है।

❖ **महिला उद्यमशीलता को बढ़ावा:** सरकार ने महिलाओं के लिए आसान ऋण, विपणन सहायता, कौशल विकास और स्टार्टअप समर्थन जैसी कई योजनाएं शुरू की हैं।

खाद्य सब्सिडी में वृद्धि (2019-2023) – आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25

❖ खाद्य सब्सिडी में वृद्धि (2019-2023) – आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25

1. दोगुनी वृद्धि: 2019 में खाद्य सब्सिडी जीडीपी का 0.5% थी, जो 2023 में बढ़कर 1% हो गई।

2. महामारी का प्रभाव: कोविड-19 के कारण आपातकालीन हस्तक्षेप के रूप में सब्सिडी बढ़ाई गई, जिसे प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY) में समाहित किया गया।

3. सरकारी बजट में भागीदारी: 2022-23 में केंद्र सरकार ने 6.5% बजट उर्वरक सब्सिडी और खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों पर खर्च किया।

खान-पान

आर्थिक सर्वेक्षण 2025: पांच साल में दोगुनी हुई खाद्य सब्सिडी, मासिक खर्च में भी हुई वृद्धि

आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि सरकार की सामाजिक कल्याण योजनाओं का सबसे अधिक फायदा ग्रामीण व गरीब परिवारों को मिला है

Source:– Down To Earth

4. **पीडीएस का दायरा:** राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठन (NSO) 2022-23 के अनुसार, अधिकांश परिवार पीडीएस और PMGKAY जैसी योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं।

5. **खाद्य सुरक्षा अधिनियम:** 2011 की जनगणना के अनुसार, 2/3 आबादी को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया गया।

6. **राशन कार्ड धारक:** 2022-23 में 84% परिवारों के पास राशन कार्ड था, जिसमें से 59% परिवार गरीबी रेखा से नीचे (BPL), अंत्योदय अन्न योजना (AAY), या प्राथमिकता प्राप्त परिवार (PHH) के अंतर्गत थे।

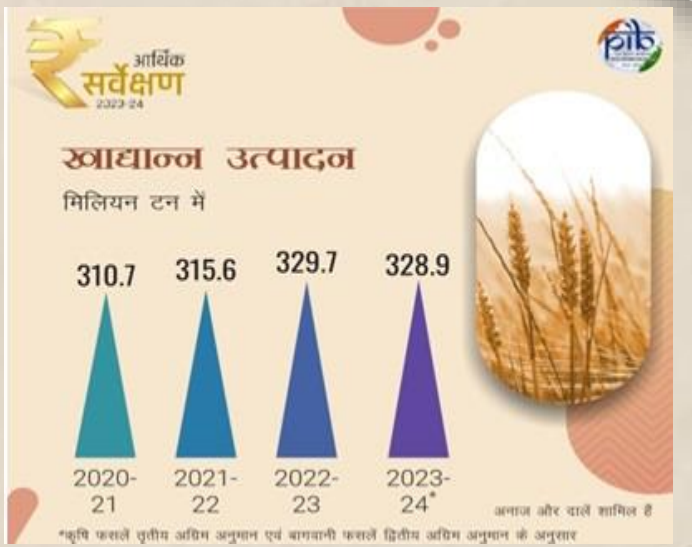

Source:– PIB

❖ सब्सिडी से बढ़ा मासिक खर्च: आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24

1. मासिक उपभोग व्यय में वृद्धि

❖ ग्रामीण क्षेत्रों में औसत मासिक प्रति व्यक्ति व्यय (एमपीसीई) 4,122 रुपए से बढ़कर 4,247 रुपए हुआ।

❖ शहरी क्षेत्रों में यह 6,996 रुपए से बढ़कर 7,078 रुपए हो गया।

❖ यह वृद्धि विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं से मिलने वाली सब्सिडी के कारण हुई।

2. ग्रामीण-शहरी खर्च में अंतर

❖ 2011-12 में शहरी क्षेत्रों का एमपीसीई ग्रामीण क्षेत्रों के 84% था, जो 2023-24 में घटकर 70% रह गया।

❖ इसका अर्थ है कि ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग बढ़ रहा है और असमानता कम हो रही है।

3. गरीब तबकों को अधिक लाभ

- ग्रामीण क्षेत्रों में निचले 5% वर्ग की एमपीसीई 22% बढ़ी, जबकि शहरी गरीबों की 19%।
- सरकारी राशन और अन्य कल्याणकारी योजनाओं से गरीब तबकों को ज्यादा लाभ मिला।
- 2022-23 में सब्सिडी का फायदा ग्रामीण गरीबों के 20% तबके को 7% और अमीरों को सिर्फ 2% हुआ।

4. आय में असमानता घटी

- ग्रामीण क्षेत्रों में गिनी गुणांक 2022-23 में 0.266 से घटकर 2023-24 में 0.237 हो गया।

Result Mitra

- शहरी क्षेत्रों में यह 0.314 से घटकर 0.284 हो गया।

- ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए कृषि उत्पादन में वृद्धि को भी अहम कारण माना गया।

5. निष्कर्ष

- सरकारी सब्सिडी और सामाजिक कल्याण योजनाओं से गरीब तबकों को अधिक लाभ मिला।

- ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग बढ़ा, जिससे असमानता कम हुई।

- यह संकेत देता है कि सरकारी योजनाओं से आर्थिक संतुलन में सुधार हो रहा है।

आर्थिक सर्वेक्षण 2025: कृषि क्षेत्र में रोजगार बढ़ा, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में घटा

❖ आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25: रोजगार पर मुख्य निष्कर्ष

1. रोजगार का कृषि क्षेत्र पर बढ़ता दबाव

- ❖ 2017-18 में कृषि क्षेत्र की रोजगार हिस्सेदारी 44.1% थी, जो 2023-24 में बढ़कर 46.1% हो गई।
- ❖ 2023 में कृषि क्षेत्र में 45.8% लोग कार्यरत थे।

2. गैर-कृषि क्षेत्रों में रोजगार घटा

- ❖ **विनिर्माण क्षेत्र:** 2017-18 में 12.1% से घटकर 2023-24 में 11.4%।
- ❖ **सेवा क्षेत्र:** 2017-18 में 31.1% से घटकर 2023-24 में 29.7%।

कृषि

आर्थिक सर्वेक्षण 2025: कृषि क्षेत्र में रोजगार बढ़ा, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में घटा

सरकार ने पिछले साल के आर्थिक सर्वेक्षण में कहा था कि बढ़ती कार्यशील आबादी को उत्पादक रूप से संलग्न करने के लिए 2030 तक सालाना औसतन 78.5 लाख गैर कृषि नौकरियां पैदा करनी होंगी

Source:– Down To Earth

3. महिला श्रमिकों की कृषि में बढ़ती भागीदारी

- 2017-18 में 57% से बढ़कर 2023-24 में 64.4% हो गई।
- पुरुषों की भागीदारी 40.2% से घटकर 36.3% रह गई।

4. महिला कृषि रोजगार में वृद्धि

- 2017-18 में 73.2% से बढ़कर 2023-24 में 76.9%।
- पुरुषों की भागीदारी 55% से घटकर 49.4%।

5. शहरी क्षेत्रों में महिलाओं की रोजगार हिस्सेदारी घटी

- अन्य सेवाओं में उनकी हिस्सेदारी 44.4% से घटकर 40.1% हो गई।

6. सरकार का कृषि से गैर-कृषि क्षेत्रों में रोजगार हस्तांतरण लक्ष्य अधूरा

- सरकार को हर साल 35 लाख लोगों को कृषि से हटाना था और 78.5 लाख गैर-कृषि नौकरियां पैदा करनी थीं।
- यह लक्ष्य हासिल नहीं हो पाया, जिससे कृषि क्षेत्र पर निर्भरता बढ़ी।

7. कृषि क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में भूमिका

- कृषि का सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में योगदान लगभग 16% है।
- फिर भी, यह 46.1% आबादी को रोजगार देता है, जो असंतुलित आर्थिक संरचना को दर्शाता है।

अंतर्राष्ट्रीय जेब्रा दिवस

❖ अंतर्राष्ट्रीय जेब्रा दिवस (31 जनवरी) –

1. उद्देश्य – जेब्रा की सुंदरता, उनके सामने आने वाले खतरों और संरक्षण प्रयासों के बारे में जागरूकता बढ़ाना।

2. विशेषता – जेब्रा की काली और सफेद धारियां उन्हें जंगल में सबसे अलग बनाती हैं।

3. संरक्षण की जरूरत –

❖ आवास की हानि और जलवायु परिवर्तन के कारण उनका अस्तित्व खतरे में।
❖ सार्वजनिक भागीदारी से विलुप्ति से बचाने के प्रयास।

वन्य जीव एवं जैव विविधता

अंतर्राष्ट्रीय जेब्रा दिवस पर जानें, दुनिया भर में कितने प्रकार के जेब्रा पाए जाते हैं?

अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) ने ग्रेवी जेब्रा को गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजातियों की लाल सूची में सूचीबद्ध किया है।

Source :– Down To Earth

4. बुद्धिमान प्राणी – जेब्रा को सबसे आकर्षक और बुद्धिमान जानवरों में गिना जाता है।

5. विवादित उत्पत्ति – माना जाता है कि जेब्रा की उत्पत्ति घोड़ों या गधों से हुई है, लेकिन इस पर बहस जारी है।

6. महत्व – हर साल इस दिवस को मनाकर जेब्रा की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाती है।

❖ अंतर्राष्ट्रीय जेब्रा दिवस – कारण और महत्व

1. उद्देश्य – जेब्रा के प्राकृतिक आवास की कठिनाइयों और संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना।

2. प्राकृतिक आवास – जेब्रा मुख्य रूप से अफ्रीका में पाए जाते हैं, खासकर केन्या, नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका में।

3. खतरे –

- ❖ आवास का नष्ट होना
- ❖ जलवायु परिवर्तन
- ❖ अवैध शिकार

4. संरक्षण प्रयास – संरक्षण संगठनों ने जेब्रा की सुरक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए इस दिवस की शुरुआत की।

5. जेब्रा की प्रजातियां –

- ❖ ग्रेवी जेब्रा (गंभीर रूप से संकटग्रस्त)
- ❖ मैदानी जेब्रा
- ❖ पहाड़ी जेब्रा

6. आईयूसीएन स्थिति – ग्रेवी जेब्रा को अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) ने गंभीर रूप से संकटग्रस्त प्रजातियों की लाल सूची में शामिल किया है।

❖ पहाड़ी जेब्रा के बारे में जानकारी

❖ आवास और वितरण:

- ❖ पहाड़ी जेब्रा दक्षिण-पश्चिमी अंगोला, नामीबिया और दक्षिण-पश्चिमी अफ्रीका में पाए जाते हैं।
- ❖ ये आमतौर पर पहाड़ी इलाकों में रहते हैं, जिससे वे अत्यधिक लचीले होते हैं।

❖ संरक्षण स्थिति:

- ❖ गंभीर रूप से संकटग्रस्त (Critically Endangered) के रूप में सूचीबद्ध हैं।
- ❖ 20वीं शताब्दी में विलुप्त होने के करीब पहुंच गए थे।

❖ **मुख्य खतरे:** आवास की हानि और शिकार।

❖ **आबादी में गिरावट:**

❖ पिछले 30 वर्षों में 54% की गिरावट (African Wildlife Foundation के अनुसार)।

❖ **अंतर्राष्ट्रीय जेब्रा दिवस:**

❖ संरक्षण जीव विज्ञान संस्थान और स्मिथसोनियन राष्ट्रीय चिड़ियाघर ने इसकी स्थापना की।

❖ **उद्देश्य:** जेब्रा की स्थिति और संरक्षण के उपायों के प्रति जागरूकता बढ़ाना।

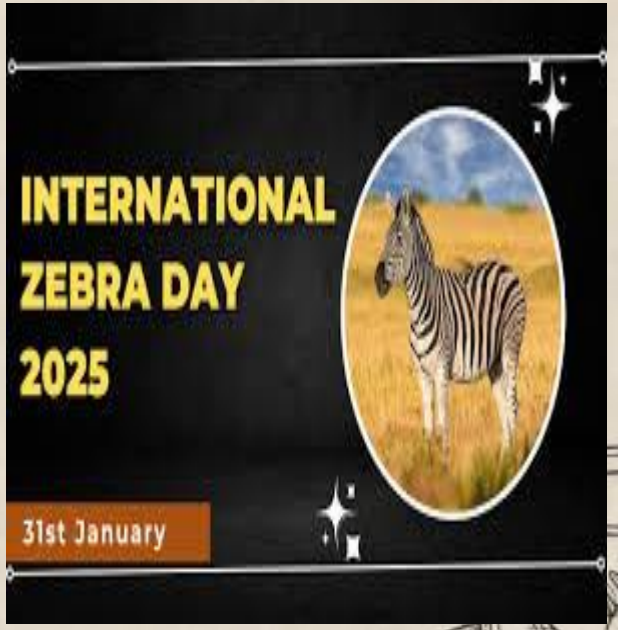

Result Mitra

WEF

WORLD ECONOMIC FORUM

विश्व आर्थिक मंच (WEF) की "चौथी औद्योगिक क्रांति नेटवर्क 2023-2024 प्रभाव रिपोर्ट"

❖ विश्व आर्थिक मंच (WEF) की "चौथी औद्योगिक क्रांति नेटवर्क 2023-2024प्रभाव रिपोर्ट“

❖ मुख्य बिदुः

❖ प्रभावशाली नवाचार: भारत में स्वास्थ्य सेवा में ड्रोन का उपयोग, वैश्विक चुनौतियों का समाधान।

❖ सात प्रमुख विषय: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)कृषि, स्वास्थ्य और जैव प्रौद्योगिकी एनर्जी ट्रांजिशन अन्य नवाचार

❖ चौथी औद्योगिक क्रांति के प्रभाव: बेहतर परिवहन प्रणाली: सऊदी अरब में ऑटोनॉमस मोबिलिटी से दुर्घटनाओं में कमी, दक्षता में वृद्धि और रोजगार सृजन।

Result Mitra

- **वैकल्पिक प्रोटीन पहल:** पादप आधारित और लैब में विकसित प्रोटीन से खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा।
- **कृषि में सुधार:** तेलंगाना में सागु बागू पायलट प्रोग्राम से 7,000 मिर्च किसानों की आय और पर्यावरणीय स्थिरता में सुधार।
- **औद्योगिक क्रांति 4.0 के लिए भारत की पहलें:** AI 2030 पहल: इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा शुरू की गई।
- **AI4AI (कृषि नवाचार के लिए AI):** कृषि मंत्रालय और WEF की साझेदारी में।
- **NM-ICPS (नेशनल मिशन ऑन इंटरडिसिप्लिनरी साइबर-फिजिकल सिस्टम):** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा स्टार्ट-अप्स, कौशल और मानव संसाधन विकास हेतु।

THANK YOU

@resultmitra / 8650457000

@resultmitra

@resultmitra

LIKE & SHARE

PDF

+ SUBSCRIBE